

एक साथ कई निशाने साथ गया मोदी का 'कूटनीतिक तीर'

- आतंक के खिलाफ भारत की मुहिम का दुनिया भर में बजा डंका
- सांसदों ने विदेश नीति पर एकजुटता दिखा नया उदाहरण सेट किया

पहलगम आतंकी हमले के बाद केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने बड़ा फैसला लिया। भारतीय सेनाओं को आतंकियों पर एकशन के लिए प्रीर हैं दे दिया। इसके बाद भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान को करारी चाट पहुंचायी। भारतीय सशस्त्र बलों ने पड़ोसी मुल्क को इस तरह से ध्वनि किया कि उसे संर्विवारम को मजबूर होना पड़ा। यही नवी, इसके बाद मोदी सरकार ने कूटनीतिक दांव से दुनिया के सामने पाकिस्तान की पोल खोलने का फैसला लिया। भारत ने पाकिस्तान के आतंकवादी संगठनों को बैनकाब करने के लिए बहुत खास रणनीति अपनायी। इस रणनीति में सभी दलों के सांसदों को शामिल किया गया। मोदी

सरकार ने इसमें विपक्षी सांसदों शाश्वत थरूर, सलमान खुशरी और असदुद्दीन औवैसी को अहम जिम्मेदारी देकर एक तीर से कई निशाने साधे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि ऐसे नेता की रही है जो अक्सर ही अपने फैसलों से चौकाते रहे हैं। ऐसा ही कुछ ऑपरेशन सिंदूर के बाद नजर आया, जब पाकिस्तान को बैनकाब करने के लिए सरकार ने सांसदों के अलग-अलग दलों को दुनिया भर में भेजने

का फैसला किया। पीएम मोदी ने इन सियासी दिग्जेंजों पर यूं ही भरोसा नहीं जताया, बल्कि इन नेताओं को कूटनीति और मुस्लिम राष्ट्रों के प्रति इनकी अहम जानकारी को ध्यान में रखा गया। यह रणनीति बिल्कुल वैसी ही थी, जैसा कि 1994 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीएम नरसिंह राव ने अपनाया था, जब उन्होंने भाजपा के दिग्जेंज नेता अटल बिहारी वाजपेयी को इसी तरह संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार

आयोग में भारत का नेतृत्व करने के लिए चुना था। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी के बांध पहुंचने पर पाकिस्तान भी हैरान था। पीएम मोदी ने भी कुछ वैसी ही निर्णय लिया। अपनी सरकार के आतंकवादी को प्रधानमंत्री मोदी ने इस महत्वपूर्ण मिशन पर जुटा। इन नेताओं ने अलग-अलग देशों में आतंकियों के पानाहगाह माने जाने वाले पाकिस्तान को जमकर सुनाया। इस कूटनीतिक मिशन ने विदेश नीति पर भारत की एकजुटता तो प्रदर्शित की ही, सांसदों ने देश के भीतर की राजनीति को भी नवी दिशा दे दी है। अब जब ये प्रतिनिधिमंडल लॉट आये हैं, इस पूरे घटनाक्रम के बारे में बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संगदाता राजेश सिंह।

उभरता हुआ दिखाया है।

थर्नर और औवैसी ने बटोरी तारीफ

वैसे तो सात दलों के सभी सदसदों ने भरपूर तरीके से शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का पक्ष रखकर दुनिया को भारत के पक्ष में करने की साथेक पहल की, लेकिन कांग्रेस के शाश्वत थरूर और एआईएमआइएम सांसद असदुद्दीन औवैसी एक नवे किरदार में नजर आये हैं। थरूर को लेकर कांग्रेस पार्टी में शुरू से ही विरोध और विरोधाभास की स्थितियां बनी रही। विदेशों में सीटीक और प्रभावी भारतीय पक्ष रखने के कारण शाश्वत थरूर और भारतीयों को बदनाम करने की जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अंकें देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र की मोदी सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया और इन दलों में विपक्षी दलों के सांसदों ने भारत का पक्ष बिना आग्रह और पूर्वाग्रह के दुनिया के सामने रखा, उसकी जितनी सराहना की जाये, विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को संरक्षित और रीवर्स किया है। औवैसी, जो भारत के संसद और तीरीकों से अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं, ने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया। यह तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी रखी विरोधी देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते हुए थे। यह एक लय में आड़े बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते हुए थे। यह एक लय के बाद के बाद के लिए एक बड़ी उपलब्ध बनी है, जो भारत की भविष्य की राजनीति के भी नवे संकेत दे रही है, जोकि इसने भारत में एक नवे और मुस्लिम नेतृत्व अगर उदारता दिखाता, तो देश के कराड़ों

अन्य सांसदों ने भी खींची बड़ी लकीर

बड़ी लकीरें तो प्रतिनिधिमंडल में गये अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने भी खींची। इनमें एआईएमआइएम सांसद असदुद्दीन औवैसी ने विश्व की राजधानीयों में भारत की स्थिति और मौजूद किवास को भी रेखांकित किया है। औवैसी, जो भारत के संसद और तीरीकों के प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं, ने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया। यह तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी रखी विरोधी देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते हुए थे। यह एक लय में आड़े बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते हुए थे। यह एक लय के बाद के बाद के लिए एक बड़ी उपलब्ध बनी है, जो भारत की भविष्य की राजनीति के भी नवे संकेत दे रही है, जोकि इसने भारत में एक नवे और मुस्लिम नेतृत्व अगर उदारता दिखाता, तो देश के कराड़ों

मुसलमानों के प्रति एक विश्वास और आड़े अकल चाहिए। औवैसी की जानकारी ने भारतीयों को दुनिया का दिल जीत लिया।

ओवैसी ने तो सबकी निगहें अपनी और खींच ली थीं। इसी तरह डीएमके सांसद कनिमोजी के जिक्र कर ऐसी बात कही है,

जिसके बाद वह जमकर वाहवाही लूट रही है। कनिमोजी ने इसके साथ ही कहा कि हमारे अपने मुद्दे हो सकते हैं, अलग-अलग राष्ट्रों के बाद विचारधाराएं हो सकती हैं, संसद में हमारे बीच तीखी बहस हो सकती है,

है, लेकिन जब भारत की बात आती है, तो हम एक साथ खड़े होते हैं, यही संदेश हम लेकर आये हैं। इसी तरह शिवसेना युवीटी की प्रियंका चतुरेंदी ने भारत को न केवल बुद्ध और गाढ़ी, बल्कि

पीएम मोदी के कूटनीतिक दांव से पाकिस्तान पड़ा। अलग-थलग

पीएम मोदी के ओवैसी को प्रतिनिधिमंडल में शामिल करने

कई बजें थीं। इनमें सबसे प्रमुख बात यही थी कि वह बड़े मुस्लिम चेहरा है। ओवैसी जब मुस्लिम देशों के सम्में भारत का पक्ष रखेंगे, तो उनकी बात में एक अलग बजन होगा। इसका असर नजर आया। पाकिस्तान के देशों ने आवाज बुलाएं।

क्या किया था नरसिंह राव ने

मोदी सरकार का यह कदम 1994 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव द्वारा अपनाये गये नेता की छवि है, जो अक्सर ही अपने फैसलों से चौकाते रहे हैं। दुनिया भर में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला भी ऐसा ही कुछ था। पीएम मोदी ने इन सियासी दिग्जों पर यूं ही भरोसा नहीं जाता, बल्कि इन नेताओं की कूटनीति और मुस्लिम राष्ट्रों के प्रति इनकी अहम जानकारी को ध्यान में रखा गया। यह रणनीति बिल्कुल वैसी ही थी, जैसा कि 1994 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीएम नरसिंह राव ने विदेश नीति पर भारत की एकजुटता तो प्रदर्शित की ही, सांसदों ने देश के भीतर की राजनीति को भी नवी दिशा दे दी है। अब जब ये प्रतिनिधिमंडल लॉट हो गए हैं, तो उनकी बातों से आवाज बुलते हैं आजाद सिपाही के विशेष संगदाता राजेश सिंह।

अपने फैसलों से चौकाते रहे हैं पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि ऐसे नेता की रही है, जो अक्सर ही अपने फैसलों से चौकाते रहे हैं। दुनिया भर में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला भी ऐसा ही कुछ था। पीएम मोदी ने इन सियासी दिग्जों पर यूं ही भरोसा नहीं जाता, बल्कि इन नेताओं की कूटनीति और मुस्लिम राष्ट्रों के प्रति इनकी अहम जानकारी को ध्यान में रखा गया। यह रणनीति बिल्कुल वैसी ही थी, जैसा कि 1994 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव ने विदेश नीति पर भारत की एकजुटता तो प्रदर्शित की ही, सांसदों ने देश के भीतर की राजनीति को भी नवी दिशा दे दी है। अब जब ये प्रतिनिधिमंडल लॉट हो गए हैं, तो उनकी बातों से आवाज बुलते हैं आजाद सिपाही के विशेष संगदाता राजेश सिंह।

असरदार रहा भारत का दांव

भारत के इस दांव का असर हुआ। भारतीय प्रतिनिधिमंडल जहां-जहां भी गया, वहां की सरकार ने सभी मुद्दों को समझा। कई देशों ने आतंकवाद के लिए अलग-अलग देशों में आतंकियों के प्रति विदेश नीति पर भारत की एकजुटता तो प्रदर्शित की ही, सांसदों ने देश के भीतर की राजनीति को भी नवी दिशा दे दी है। अब यह प्रतिनिधिमंडल लॉट के लिए अलग-अलग देशों में आवाज बुलते हैं आजाद सिपाही के विशेष संगदाता राजेश सिंह।

महाराष्ट्र चुनाव में फिक्सिंग के राहुल के आरोपों को चुनाव आयोग ने बेतुका कहा

यह बताए राहुल की साजिश है आजाद सिपाही संवाददाता नवी दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिष्ठान गहुल गांधी की 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चु



सावधान! चालान से बचने के लिए दोपहिया वाले आपकी कार का नंबर कर रहे इस्तेमाल

घर में खड़ी है कार, कट रहा स्कूटी का चालान, ट्रैफिक एसपी ने कहा- पुलिस को तुरंत दें सूचना

आजाद सिपाही संचाददाता

रांची। राजधानी रांची में ट्रैफिक चालान को पूरी तरह से अन्तराल न कर दिया गया है। ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के पाते पर सोधे चालान पहुंच रहा है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि दो दर्जन से ज्यादा ऐसे लोगों का ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन का चालान काटा गया है जिसके पास कार है लेकिन उनका चालान स्कूटी का कटा है।

हैरान मालिक : रांची के कुछ वाहन मालिक हैं तरह में हैं। वह चालान काट कर लेकिन चालान स्कूटी का कट रहा है, हैरानी की बात है कि नंबर उनकी कार का ही है। अधिकांश वैसे लोगों का चालान कट कर आया है जिनके चार पहिया वाहन ज्यादातर गैरेज में पार्क रहते हैं।

वैसे लोगों का चालान कट कर आया है जिनके चार पहिया वाहन ज्यादातर गैरेज में पार्क रहते हैं।



कई लोग चालान से बचने के लिए भी लगा रहे जुगाड़

आपके बाते कि रांची के लागड़गढ़ सभी चौक-चौराहों पर अब ट्रैफिक पुलिस चालान नहीं काट रहा है। बल्कि कम्बे से चालान कट रहे हैं। जैसे ही कोई ट्रैफिक विषय का उल्लंघन करने हुए दिखता है, तुरंत उसका चालान कट जाता है। ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले लोग चालान से बचने के लिए नंबर प्लेट का एक नंबर बर किसी चीज से छिपा देते हैं। कई ब्राउड के समय नंबर प्लेट पर कपड़ा डाल देते हैं, ताकि ट्रैफिक एसपी ने बचा जा सके। ऐसे लोग बाड़क चोर मिर्गे के सदस्य भी हो सकते हैं ऐसे में जरूरी है कि आप सावधान हो जायें।

दोषिया वाहनों में कार के नंबर का हो रहा इस्तेमाल : जानकारी के अनुसार राजधानी में चोरों के

नंबर लोग चालान से बचने के लिए भी लगा रहे जुगाड़

जानकारी में ऐसे कई मामले

सामने आ चुक हैं जिनमें लोगों की कार उनकी गोरा जांच में खड़ी है और उनका चालान कट जा रहा है।

जैसे लोग चालान कट जाता है, तो वह स्थानीय वाहनों में संपर्क करें।

पीड़ित से एक आवेदन लेकर उनके बाते को रेखा बाहन कर दिया जायेगा और नंबर प्लेट बदलकर वाहन चालान वाले शख्स की तलाश शुरू कर दी जायेगी। वही ट्रैफिक एसपी ने आम लोगों से

लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

ऑनलाइन चालान से बचने के लिए नंबर प्लेट पर कपड़ा डाल देते हैं, ताकि लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जैसे लोग चालान से बचने के लिए नंबर परेंपिंग भी हो रही है।

जमीन के धंधे में डराने-धमकाने के लिए खरीद रहे थे हथियार, पुलिस ने दबोचा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में दो जमीन कारोबारी को अवैध हथियार खरीदना भारी पड़ा। दोनों जमीन के धंधे में अपना वर्चस्व कायम करने के लिए हथियार खरीद रहे थे, तभी पुलिस की टीम वहां पहुंच गयी और उन्हें गिरफतार कर लिया। मौके से पुलिस ने तीन उम्र किस्म के हथियार भी बरामद किये हैं।

क्या है पूरा मामला : डीआइजी सह एसएसी रांची ने बताया कि कोतवाली डीएसपी के गुरुत जानकारी मिली थी कि रांची के सुखेवनगर थाना अंतर्गत पहाड़ी मंदिर के पास अवैध हथियार की खरीद की करने के लिए कुछ लोग आने वाले हैं। सूचना के अलाके में सिटी एसपी और



कोतवाली डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। छापामारी टीम के द्वारा पहाड़ी मंदिर के पास संविधान अवस्था में दो व्यक्ति को पकड़ा गया। पकड़े गये व्यक्ति का नाम पूछने पर उन्होंने अपना नाम अनिल गाड़ी अमर्स एक के तहत कांड दर्ज किया गया है।

रांची-आसपास

हमें मिलकर धर्म और संस्कृति को बचाना है : सुदीप गुड़िया



आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। तोरा प्रखंड के रायसेमला खुंदन बांधी में शनिवार को आयोजित धनवाच पाइडा जतरा में सुदीप गुड़िया अपने धर्म, समाज और संस्कृत को बचाने के लिए आगे आगे होगा। हम सभी को मिल कर जल, जंगल जमीन को भी स्वागत पारंपरिक गीत एवं नृत्य किया गया।

जतरा को सम्बोधित करते हुए विधायकों ने कहा कि हम सभी को मिलकर अपनी भाषा, धर्म और संस्कृत को बचाना है। हम सभी को मिलजुल कर रहना है और आदि ने संबोधित किया।

ADMISSION OPEN
50 % OFF
TILL JUNE 2025

L.P. PUBLIC SCHOOL
50 Years of Trusted Early Education in KOKAR
Opposite Paridhan, Near Jeep Showroom
KOKAR

JOB चाहिए ? COMPUTER सीखिए !

The LINGO™
Institute of English Language & Computer Education

OUR COURSES धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलना सिखें
वैज्ञानिक एवं मनोवैज्ञानि पढ़ति द्वारा

- ADCA
- DCA
- DTP
- C++
- Typing
- Tally With GST
- Advance Excel

सब पढ़ाते हैं
हम सिखाते हैं।

Daily Practical LAB

Spoken English
Basic & Advanced

9304108669

1st Floor, Anivash Complex, Opp. Dr. Amit Mukherjee
Near Plaza Chowk, Ranchi - 834001 (Jharkhand)

EUROKIDS GLOBAL SCHOOL
PRE-SCHOOL

PLAY GROUP, NURSERY, LKG, UKG & CLASS 1 TO 5
AGE FROM 1.8 TO 11 YEARS
Heureka, Euphonics, Mathlab
Scientific-Spark, Eurofit
Yogakids, Euro-Music, Mindful+
Rims Road, Tunki Tola, Kokar Ranchi // Mob.: 7903079507 / 8092334348

आसान नहीं कौजी कहलाना दोस्त, ज़ज्बात
पिघलाकर रगों में लोहा भरना पड़ता है,
YODDHA DEFENCE ACADEMY

NDA Target.
NDA Foundation
(11th & 12th)
NDA Pre Foundation
(8th & 10th)
CDS/MNS/AF
CPMF
Nurturing our youth
Shaping new soldiers

9153595906
3rd Floor Avinash Complex,
East Jail Road, Lalpur, Ranchi

100% आयुर्वेदिक 100% इलाज
आयुर्वेदिक अपनाएँ
खुशहाल जीवन पाएँ।

शुगर / बी. पी. / थार्डें / जोड़ों में दर्द / खुनी बासीर / खाँसी /
दमा / सांस का रोग/T.V. / गोंधा का 100% इलाज / लकड़ा
साइटिका / पथरी का 100% इलाज / दाद / खांस / खुजली /
बालों का छड़ा सभी प्रकार का इलाज किया जाता है।

यहां मरीन के द्वारा भी चेकअप किया जाता है।
जोड़ों का दर्द में 24 से घंटे
में ट्रिजल्ट दर्द से 100%
NH.33 अनान्दी, ओरमांडी, रांची, हाररखण्ड

7296007167

Dr. Anup's HLCCS **रिक्कन एवं लेजर सेन्टर** **रांची में**
चर्म रोग चिकित्सा केन्द्र

सभी प्रकार के चर्म रोग एवं गुन्ह रोग
एवं कॉस्मेटिक सर्जरी के लिए सम्मर्क करें।

Mob. 09334334935, 09431529553
दर्शन वाई पास रोड, पुणा विहार Opp. मानी एस्टोनेट, अरगोडा, रांची-834002

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया ग्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोरक चैक, ओल्ड एवं गेड, रांची 834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्वर्सम (ए ब्लॉक आंकड़ी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपर्क : हरिनारायण सिंह, स्थानीय संपादक* : विनोद कुमार, ***पीआरबी एन्ट के तहत खबरों के लिए जिमेदार, राज्य समन्वय संपादक : अजय शर्मा। समस्त दिवारी विवादों, आयोगी विवादों एवं दीर्घ परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची व्यालय में रहेगा। फोन : 9264434560, R.N.I. No.-JAHIN/2015/65109, Postal Registration No. RN/249/2019-21